कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (9) खण्ड -{17}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1- जितना ..... बनेंगे, उतना माया जोर से वार करेगी। देखेगी लायक है वा नहीं?

A- पवित्र

B- महावीर

C- रुस्तम

D- धारणामूर्त

प्रश्न सं 2- बाबा ने राइट-हैण्ड बनाया है .....?

A- माताओं को

B- गोप को

C- शक्तियों को

D- ब्रह्मा बाप को

---

*प्रश्न सं 3- जहाँ भी रहते हो, सभी हिलने हैं, सब आधार टूटने हैं। तो ऐसे टाइम पर क्या चाहिये?

A- शक्तिशाली स्थिति

B- साधना का आधार

C- एक ही बाप का आधार

D- अन्तर्मुखता की स्थिति

प्रश्न सं 4- इनमें से कौन सा सही नहीं है ?

A- ऊंच ते ऊंच बीजरूप, फिर उनके नीचे लक्ष्मी और नारायण हैं।

B- रचयिता बाप को सर्व्यापी कहने से फिर यह सिद्ध नहीं होता कि हम सब बच्चे हैं।

C- ब्रह्मा-विष्णु -शंकर को सूक्ष्म देह मिली हुई है।

D- सभी सही है।

प्रश्न सं 5- परिस्थिति समझने से घबरा जाते लेकिन साइड सीन अर्थात् ?

A- खेल

B- रास्ते के नजारे

C- विघ्न

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 6- याद रखो हमारा बाप, टीचर और सतगुरू - तीनों ही .....है तो भी खुशी का पारा चढ़ेगा

A- एक

B- कम्बाइन्ड

C- शिव बाबा

D- बाप-दादा

प्रश्न सं 7- शक्तियों को कितनी भुजाएं दिखाते हैं ?

A- 4

B- 6

C- 8

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 8- गीता में कितनी बार मन्मनाभव लिखा हुआ है ?

A- 1

B- 2

C- 8

D-18

भाग (9) खण्ड {17} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1.*C* *रूस्तम*

तुम सर्वशक्तिमान के बच्चे हो तो माया भी कम नहीं है। आधा-कल्प रावण का राज्य है। इस समय माया भी जोर से

पछाड़ेगी, इसको तूफान कहा जाता है। हनूमान का मिसाल है ना। तुमको माया के कितने भी तूफान आयें परन्तु हिलना नहीं है। सदैव हर्षित रहना है।*जितना रुस्तम बनेंगे उतना माया जोर से वार करेगी। देखेगी - लायक है वा नहीं?*

---

*उत्तर सं 2. A *माताओं को*

ब्राह्मण कुल-भूषण हैं तो बहुत, परन्तु उनमें भी कोटो में कोई निकलते हैं जो अखबार में देख फौरन सर्विस करने लग पड़ते हैं। *बाबा ने राइट-हैण्ड बनाया है माताओं को।* गोप मुश्किल खड़े होते हैं, कोई बिरला यथार्थ रीति से श्रीमत पर अटेन्शन देते हैं। यह एक प्वाइंट है - भ्रष्टाचार और श्रेष्ठाचार की। भ्रष्टाचारी बुलाते हैं कि - हे भगवान्, आओ, आकर श्रेष्ठाचारी बनाओ। सभी भ्रष्टाचारी जरूर हैं। कहा जाता है यथा राजा-रानी तथा प्रजा।

उत्तर सं 3. C *एक ही बाप का आधार*

आप लोगों के आगे तो ऐसा समय आया नहीं है लेकिन आना है। *जहाँ भी रहते हो, सभी हिलने हैं, सब आधार टूटने हैं। तो ऐसे टाइम पर क्या चाहिये? एक ही बाप का आधार।* आप

लोग तो बहुत-बहुत-बहुत लक्की हो, जो आने का समय आपका सहज साधनों का है। सहज साधनों के साथ-साथ आपका ब्राह्मण जन्म है। लेकिन साधन और साधना - साधनों को देखते साधना को नहीं भूल जाना। क्योंकि आखिर में साधना ही काम में आनी है।

उत्तर सं 4. A *ऊंच ते ऊंच बीजरूप, फिर उनके नीचे लक्ष्मी और नारायण हैं।*

ऊंच ते ऊंच बीजरूप के नीचे सूक्ष्म वतनवासी ब्रह्मा-विष्णु-शंकर हैं। रचयिता सबके ऊपर होता है। वह रचयिता बाप है और बाकी रचना है।

उत्तर सं 5. B *रास्ते के नजारे*

सदा अपने मास्टर सर्वशक्तिमान स्वरूप की स्मृति में रहो तो हर परिस्थिति ऐसे अनुभव होगी जैसे एक साइडसीन है। *परिस्थिति समझने से घबरा जाते लेकिन साइड सीन अर्थात् रास्ते के नजारे समझेंगे* तो सहज पार कर लेंगे क्योंकि नजारों

को देख खुशी होती है, घबराते नहीं, विघ्न-विघ्न नहीं है लेकिन आगे बढ़ने का साधन है।

---

*उत्तर सं 6. *B* कम्बाइन्ड*

"मीठे बच्चे - *याद रखो हमारा बाप, टीचर और सतगुरू - तीनों ही कम्बाइन्ड है* तो भी खुशी का पारा चढ़ेगा, उनकी श्रीमत पर चलते रहेंगे।अर्थात शिव बाबा बाप भी बनते हैं, टीचर भी बनते हैं और सतगुरु भी बनते हैं।

---

*उत्तर सं 7. *D* *उपरोक्त सभी*

शक्तियों के चित्रों में भिन्न-भिन्न रूप से और फिर भुजाओं के रूप में नम्बरवार शक्तियों का यादगार है। उन चित्रों में कहाँ कितनी भुजायें, कहाँ कितनी दिखाते हैं। कोई अष्ट शक्तियों को धारण करने वाली बनती हैं, कोई उससे अधिक, कोई उससे कम। *कहाँ 4 भुजाएं, कहाँ 8 भुजाएं, कहाँ 16 भी दिखाते हैं, नम्बरवार।*

उत्तर सं 8.B *2*

मनुष्य को जो आदत पड़ती है वह वृद्धि को पाती है। बुद्धि में रहना चाहिये हमारे 84 जन्म पूरे हुए। अब नाटक पूरा हुआ। अभी हम जाते हैं अपने घर इसलिये बाप कहते हैं - मुझे याद करो। *गीता में भी दो बार मन्मनाभव लिखा हुआ है।* कुछ-कुछ बातें आटे में लून हैं। यह शब्द आपने कई बार साकार और अव्यक्त दोनों ही मुरली में सुना या पढ़ा होगा। बाबा कहते हैं: " कर्म करते हुए मुझे याद करो... मनमनाभव अर्थात मन मेरे में लगाओ।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (9) खण्ड -{18}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1- नाटक पूरा हुआ, अब निरन्तर बाप को याद करने की कोशिश करो। अगर और कुछ याद पड़ता रहेगा तो....

A- विकर्म हो जाएगा

B- बोझ चढ़ जाएगा

C- हिसाब बन जाएगा

D- सजायें खानी पड़ेगी

प्रश्न सं 2- इनमें से कौन सा सही है?

A- ब्रह्मा और विष्णु को महादेव नहीं कहेंगे।

B- वहाँ (स्वर्ग) तो होगा ही शीतल।

C- आत्मा बुद्धिहीन औंधी बनी है।

D- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न सं 3- किस विधि से नये स्टूडेन्ट्स पर ज्ञान का रंग लग सकता है ?

A- पहले सात रोज़ भट्टी में बिठाओ

B- पहले खुद पर ज्ञान का रंग चढ़ाओ

C- शुभ भावना और शुभ कामना द्वारा सूक्ष्म सेवा करो

D- उपरोक्त सभी सही

प्रश्न सं 4- ..... दोनों के बैलेन्स से प्रत्यक्षता होगी।

A- सेवा और तपस्या

B- ज्ञान और योग

C- स्व सेवा और विश्व सेवा

D- स्वपरिवर्तन और विश्वपरिवर्तन

प्रश्न सं 5- प्रसन्नचित्त के सम्बन्ध में इनमे से कौनसा कथन सही नहीं है ?

A- प्रसन्नचित्त औरों का भी क्वेश्चन मार्क खत्म कर देता है।

B- प्रश्नचित्त वायब्रेशन के बजाय प्रसन्नचित्त का वायब्रेशन जल्दी फैलता

C- जिसका प्रसन्नचित्त होता है उसके मन-बुद्धि के व्यर्थ की गति फास्ट नहीं होगी।

D- कैसा भी आग समान जला हुआ गरम दिमाग का हो लेकिन प्रसन्नचित्त के वायब्रेशन की छाया में शीतल हो जायेगा

E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न सं 6- विकारों का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है, अगर बाहर के रूप में इमर्ज रीति से क्रोध है लेकिन आन्तरिक चेक करो तो क्रोध के साथ ..... होता ही है। ये सब आपस में साथी हैं ?

A- लोभ, अहंकार

B- काम, अहंकार

C- मोह, अहंकार

D- लोभ- मोह

प्रश्न सं 7- इनमे से कौन सा सही नही है ?

A- सूक्ष्मवतन में तो प्रजापिता होता नहीं है।

B- प्रलय अक्षर रांग हैं।

C- कभी-कभी कोई को आत्मा का साक्षात्कार होता है।

D- एक जिन्न का मिसाल है। उसने कहा कि काम दो नहीं तो खा जाऊंगा।

E- उपरोक्त सभी सही है।

प्रश्न सं 8- कोई भी विकर्म करके छिपाना नहीं, छिपकर सभा में बैठने वाले .....,..... इसलिए सावधान, विकार की कड़ी भूल कभी भी नहीं हो ?

A- चकनाचूर हो जाते हैं।

B- का सत्यानाश हो जाता है।

C- पर बहुत दण्ड पड़ता है।

D- बहुत दुःखी होते हैं।

भाग (9) खण्ड {18} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1 D *सजायें खानी पड़ेगी*

बाप बच्चों को कहते हैं - अब यह पुराना चोला छोड़ना है। नाटक पूरा हुआ, अब निरन्तर बाप को याद करने की कोशिश

करो। अगर और कुछ याद पड़ता रहेगा तो फिर *सजायें खानी पड़ेगी।* जितना हो सके औरों की याद निकाल दो। यात्रा पर जाते हैं तो बुद्धि में वही याद रहती है। बस, हम श्रीनाथ द्वारे जाते हैं। तुम्हारी है सच्ची रूहानी यात्रा।

उत्तर सं 2 D. *उपरोक्त सभी सही है*

A. गाते हैं - हर-हर अर्थात् दु:ख को हरो। भगवान् के लिये ही गाते हैं। परन्तु भगवान् का पता न होने के कारण ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के लिये कह देते हैं। देव-देव महादेव। शिव को भूल शंकर के लिये कह देते - हर-हर महादेव .....। *ब्रह्मा और विष्णु को महादेव नहीं कहेंगे।* वह तो दोनों स्थूल पार्ट में आते हैं। शंकर सूक्ष्मवतन में ही रहते है।

B. इस समय तो तुम ईश्वर के सम्मुख हो। फिर तो डिग्री डिग्रेड हो जायेगी। जाकर दैवी सन्तान बनेंगे। अभी यह शीतल गोद अच्छी है। *वहाँ (स्वर्ग) तो होगा ही शीतल।* परन्तु यहाँ तो तत्ते (गर्म) को भी शीतल बनाया जाता है तो वह अच्छा रहता है।

C. आत्मा और शरीर दोनों ही पुराने हैं। *आत्मा बुद्धिहीन अंधी बनी है।* मनुष्य को थोड़ेही अंधा कहा जाता है। आंखे तो हैं

ना। परन्तु बुद्धि अंधी है। आत्मा में जो बुद्धि है याद करने की वह बिल्कुल भूल गई है।इसलिए उपरोक्त सभी सही है।

उत्तर सं 3. A *पहले सात रोज़ भट्ठी में बिठाओ*

उन्हें पहले-पहले सात रोज़ की भट्ठी में बिठाओ। कायदा है - जब कोई भी आता है तो उनसे फार्म भराओ। पहले सात रोज़ भट्ठी में पड़े तब पूरा रंग लगे। तुम भ्रमरियां ज्ञान की भूँ-भूँ कर आप समान बनाती हो। तुम जानती हो - अभी देवता धर्म की सैपलिंग लग रही है। जो इस घराने की आत्मायें होंगी वह महारोगी से निरोगी बनने के पुरुषार्थ में लग जायेंगी।

उत्तर सं 4. A *सेवा और तपस्या*

अभी प्रत्यक्षता बाप की करने का फाउण्डेशन कहाँ से होगा? दिल्ली से या महाराष्ट्र से? कर्नाटक से, लंदन से.... कहाँ से होगा? दिल्ली से होगा? करो निरन्तर सेवा और तपस्या। *सेवा और तपस्या* दोनों के बैलेन्स से प्रत्यक्षता होगी। जैसे सेवा का डायलॉग बनाया ना, ऐसे दिल्ली में तपस्या का वर्णन करने का डायलॉग बनाओ तब कहेंगे दिल्ली, दिल्ली है। दिल्ली

बाप की दिल तो है लेकिन बाप के दिल पसन्द कार्य करके भी दिखायेंगे।

उत्तर सं 5. B *प्रश्नचित्त वायब्रेशन के बजाय प्रसन्नचित्त का वायब्रेशन जल्दी फैलता*

वैसे एक का क्वेश्चन था, अभी दो का हो गया, दो से चार का हो जायेगा। *तो प्रसन्नचित्त वायब्रेशन के बजाय प्रश्नचित्त का वायब्रेशन जल्दी फैलता है।* हाँ! ऐसा है... साथ दे दिया। आश्चर्य की मात्रा आ गई ना - हाँ! तो फुलस्टॉप तो नहीं हुआ ना। चाहे अपने प्रति भी - ये मेरे से होना नहीं चाहिये, ये मेरे को मिलना चाहिये, ये दूसरे को नहीं होना चाहिये, तो ये चाहिये-चाहिये प्रश्नचित्त बना देती है, प्रसन्नचित्त नहीं।

उत्तर सं 6. A *लोभ, अहंकार*

पहले भी सुनाया था कि कभी कोई, कभी कोई गुण की प्राप्ति को सामने रखते हुए सन्तुष्ट रहो क्योंकि एक गुण भी अपनाया तो जैसे *विकारों का आपस में बहुत गहरा सम्बन्ध है, अगर बाहर के रूप में इमर्ज रीति से क्रोध है लेकिन आन्तरिक

चेक करो तो क्रोध के साथ लोभ, अहंकार होता ही है।* ये सब आपस में साथी हैं। कोई इमर्ज रूप में होते हैं, कोई मर्ज रूप में होते हैं। तो गुण भी जो हैं उन्हों का भी आपस में सम्बन्ध है। इमर्ज एक गुण को रखो लेकिन दूसरे गुण भी उनके साथ ही मर्ज रूप में होते हैं। तो रोज़ कोई न कोई प्राप्ति स्वरूप का अनुभव अवश्य करो। अगर प्राप्ति इमर्ज रूप में होगी तो प्राप्ति के आगे अप्राप्ति खत्म हो जायेगी और सदा सन्तुष्ट रहेंगे।

उत्तर सं 7. E *उपरोक्त सभी सही है।*

सूक्ष्मवतन में शिव परमात्मा के नीचे सूक्ष्म ब्रह्मा, विष्णु,महेश को दिखाया गया है। आत्मा का साक्षात्कार दिव्य बुद्धि से किसी किसी को होता है। बाबा ने जिन्न के सम्बन्ध में लोक प्रचलित धारणा को इस महावाक्य में व्यक्त किया। इसलिए उपरोक्त सभी सही हैं

उत्तर सं 8. C *पर बहुत दण्ड पड़ता है।*

“मीठे बच्चे - कोई भी विकर्म करके छिपाना नहीं, छिपकर सभा में बैठने वाले *पर बहुत दण्ड पड़ता है* इसलिए सावधान,

विकार की कड़ी भूल कभी भी नहीं हो"

यहाँ भगवान खुद कहते हैं - अगर तुम विकारों में गिर पतित बने और सुनाया नहीं तो सौ गुणा दण्ड पड़ता रहेगा। बाप का बच्चा बनकर फिर अगर छिपकर नर्क का द्वार बने और फिर बाबा को समाचार नहीं दिया तो एक-दम मर पड़ेंगे फिर कितना भी पुरुषार्थ करे, विजय पा नहीं सकेंगे। बाबा इतला दे रहे हैं। बहुत बच्चे हैं जो छिपाते हैं। विकार में जाना बड़ा पाप है। छिपाया और मरा। ऐसे तो बच्चा न बनें तो अच्छा है।

पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी टेक्स्ट प्रारूप में WHATSAPP पर प्राप्त करने के लिए 9458867727 पर सम्पर्क करें।